

पर उसके अनुरूप प्रतिष्ठित व्यक्ति की नियुक्ति करने वाला।

**प्रतिष्ठा पद** पुं. (तत्.) कीर्ति, प्रसिद्धि एवं गौरव आदि के आधार पर समाज में दिया जाने वाला पद।

**प्रतिष्ठापन** पुं. (तत्.) प्रशा. 1. स्थापित करने की क्रिया, संस्थापन, अधिष्ठापन 2. कारखाने आदि की अथवा संपूर्ण विद्युत यंत्र आदि की स्थापना 3. सां.नृ.वि. समर्पण-संस्कार, अर्पण, उत्सर्ग, प्रतिष्ठान, पवित्रीकरण, प्रतिष्ठा, अभिषेक आदि consecration 4. मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा करना 5. राजा, धर्माचार्य, पीठाधिपति आदि की नियुक्ति का कार्य।

**प्रतिष्ठापयिता** पुं. (तत्.) प्रतिष्ठापन करने वाला, स्थापना करने वाला, संस्थापक दे. प्रतिस्थापक।

**प्रतिष्ठा मूल्य** पुं. (तत्.) समा. कीर्ति, प्रसिद्धि, गौरव, मान्यता, साख आदि के आधार पर समाज में दिया जाने वाला स्थान या महत्व। prestige value

**प्रतिष्ठित** वि. (तत्.) 1. स्थापित, जिसकी स्थापना (प्रतिष्ठा) की गई हो, अवस्थित 2. अभिषिक्त, जिसका अभिषेक किया गया हो, पदाभिषिक्त 3. प्रख्यात, प्रसिद्ध 4. सम्मानित 5. लगाया हुआ, गाड़ा हुआ 6. मंदिर में शास्त्रीय विधि से जिसकी प्राण-प्रतिष्ठा की गई है ऐसी देव मूर्ति 7. हैसियत वाला 8. साख वाला 9. पूरा किया हुआ 10. निश्चित, निर्धारित।

**प्रतिष्ठित आचार्य** पुं. (तत्.) विश्वविद्यालय आदि से संबद्ध ऐसे प्रख्यात विद्वान् आचार्य जिन्हें न केवल सेवाकाल में अपितु सेवा-निवृत्ति के पश्चात् भी विद्वद् सभाओं में, विश्वविद्यालयों आदि में ज्ञानप्रद भाषणों के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है।

**प्रतिष्ठित व्यक्ति** पुं. (तत्.) 1. इज्जतदार व्यक्ति 2. उच्च-पद, विद्वत्ता, गुणवत्ता आदि के कारण प्रख्यात सम्मानित व्यक्ति 3. हैसियत वाला 4. साखा वाला व्यक्ति।

**प्रतिष्ठापित** वि. (तत्.) जिसका प्रतिष्ठापन किया गया हो दे. प्रतिष्ठापन।

**प्रतिसंकेत** पुं. (तत्.) 1. पहचान के लिए निर्धारित किया गया शब्द विशेष, संकेत शब्द Password 2. पहचान कराने वाला विशेष चिह्न 3. प्रतिनिर्देश, प्रतिसंदर्भ।

**प्रतिसंख्या** स्त्री. (तत्.) पुस्त. 1. किसी पुस्तक की प्रतियों की संख्या 2. किसी पुस्तक की बोध संख्या में जोड़ा गया ऐसा अंक या अक्षर जो पुस्तक की एकाधिक प्रतियों में भेद बता सके 2. चेतना, चैतन्य सम्यक् ज्ञान, अव्यवहित ज्ञान।

**प्रतिसंतुलन** स.क्रि. (तत्.) 1. तुल्य भार करना, प्रतितुलित करना, धड़ा करना, तोलते समय तराजू के पलड़ों के समान न होने की स्थिति में ऊँचे पलड़े पर उपयुक्त भार रखकर सम्मान करने को प्रतिसंतुलन करना, प्रतितुलित करना या तुल्यभार करना कहते हैं 2. जबाबी तोड़ करना, काट करना पुं. समतोलन, धड़ा, पासंग, प्रतितुलना, भार समता, जबाबी तोड़।

**प्रतिसंतुलनकारी** वि. (तत्.) 1. शेष की पूर्ति करने वाला 2. प्रतिसंतुलन, समतोलन, प्रतितुलना, भारसमता अथवा जबाबी तोड़ करने वाला।

**प्रतिसंतुलित** वि. (तत्.) जिसका प्रतिसंतुलन किया जा चुका हो।

**प्रतिसंदत्त** वि. (तत्.) 1. लौटा दिया गया, वापस दे दिया हुआ (धन) 2. चुकता कर दिया गया (कर्ज) 3. जिसके बदले में उपकार कर दिया गया हो।

**प्रतिसंदर्भ** पुं. (तत्.) पुस्तक आदि में निर्दिष्ट एक स्थान पर देखने पर वहाँ दिया गया दूसरे स्थान का संकेत, प्रतिनिर्देश, प्रतिसंकेत counter reference

**प्रतिसंदान** पुं. (तत्.) 1. किसी से लिए हुए धन को लौटा देने की क्रिया 2. ऋण चुकाने का कार्य 3. उपकार, सेवा आदि के बदले किया गया कार्य।